सांडेराव में सेंटर ऑफ एक्सीलेंस इंडीजिनस फार्म का शिलान्यास

पाली/सुमेरपुर, (नि.सं.)। पशुओं में नस्ल सुधार और उनके संरक्षण की दिशा में राजस्थान ने रविवार को एक ऐतिहासिक कदम उठाया है। प्रदेश के एकमात्र एवं प्रथम सेंटर ऑफ एक्सीलेंस इंडीजिनस फार्म के प्रशासनिक भवन के निर्माण कार्य का भूमि पूजन एवं शिलान्यास किया गया। यह शिलान्यास पशुपालन, गोपालन, डेयरी एवं देवस्थान विभाग के कैबिनेट मंत्री जोराराम कुमावत द्वारा पाली जिले के सुमेरपुर विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत गांव साण्डेराव में स्थापित हो रहे इस सेंटर के प्रशासनिक भवन का भूमि पूजन एवं शिलान्यास वैदिक मंत्रोच्चार के साथ किया गया। संभंतया यह देश का भी पहला एवं एकमात्र एक्सीलेंस इंडीजिनस सेंटर है, जहां एक साथ गाय, भैंस, बकरी, भेड़, ऊंट व घोड़े की 30 प्रजातियों के नस्ल सुधार एवं संवर्धन का कार्य होगा।

पशुपालन, गोपालन मंत्री जोराराम कुमावत ने सांडेराव में सेंटर ऑफ एक्सीलेंस इंडीजिनस फार्म के प्रशासनिक भवन के निर्माण कार्य का भूमि पूजन एवं शिलान्यास किया। फोटो-राष्ट्रदूत

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के इस ड्रीम प्रोजेक्ट को धरातल पर उतारने के लिए राजस्थान सरकार की बजट घोषणा (2025-26) की क्रियान्विति के तहत काम शुरू कर दिया गया है। इस पूरे सेंटर के निर्माण और विकास पर करीब 60 करोड़ रुपए की लागत आएगी। यह अत्याधुनिक सेंटर करीब 200 बीघा की विशाल भूमि पर स्थापित किया जा रहा है। इसका मुख्य उद्देश्य राजस्थान की पारंपरिक और विशिष्ट पशु प्रजातियों का संरक्षण करना है।

पशुओं की 30 प्रजातियों का होगा सुधार व संवर्धन

पशुपालन मंत्री जोराराम कुमावत ने बताया कि करीब दो वर्ष में यह सेंटर पूर्ण रूप से अपना मूर्त रूप ले लगा। यह देश का एकमात्र ऐसा सेंटर होगा, जहां एक साथ गाय, भैंस, बकरी, भेड़, ऊंट व घोड़े की 30 प्रजातियों के नस्ल सुधार व संवर्धन पर रिसर्च होंगे। उन्होंने बताया कि खासकर उन प्रजातियों पर अधिक फोकस होगा, जो कि राजस्थान की हैं। कुमावत ने बताया कि गाय में गिर, कॉकरेंच, राठी, थारपारकर, साहिवाल, नागौरी, मालवी व हरियाणा नस्ल का सैक्स सोर्टेड सीमन, कृत्रिम गर्भाधान व उन्नत नस्ल के सांड से सुधार व संवर्धन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि खासकर दुनिया की सबसे छोटी गाय की पुंगनूर प्रजाति के नस्ल सुधार को लेकर भी संरक्षण व संवर्धन के लिए रिसर्च किया जाएगा। मूल रूप् से आंध्रप्रदेश की इस पुंगनूर नस्ल की गाय के पालन को लेकर पशुपालकों में खासा उत्साह है। इसके अलावा भैंस की स्वदेशी प्रजाति- मुर्रा, सूरती, जाफराबादी, मेहसाना, भेड़ की मगरा, मारवाड़ी, नाली, चोकला, पूगल, जैसलमेरी, मालपुरा व सोनाड़ी, बकरी की राजस्थान की प्रजाति- बारबरी, सिरोही, जमनापारी, जखराना, सोजत, मारवाड़ी, ऊंट की प्रजाति- जैसलमेरी व बीकानेरी तथा घोड़े की एकमात्र राजस्थान की प्रजाति मारवाड़ी के नस्ल का संरक्षण व संवर्धन किया जाएगा।

पशुपालकों को प्रशिक्षण व उन्नत नस्ल के पशु मिलेंगे

यह सेंटर सिर्फ एक अनुसंधान केंद्र नहीं होगा, बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने का एक बड़ा जरिया बनेगा। पशुपालन मंत्री कुमावत ने बताया कि उद्यिमता को बढ़ावा देने के लिए पशुपालन के क्षेत्र में नए स्टार्टअप और उद्यिमता को विकसित किया जाएगा। इसके साथ-साथ पशुपालकों को आधुनिक और नवीन वैज्ञानिक तकनीकों की जानकारी दी जाएगी। वहीं, समय-समय पर पशुपालकों के लिए ट्रेनिंग कैंप आयोजित किए जाएंगे। यहाँ से पशुपालकों को सीधे उन्नत नस्ल के उच्च गुणवत्ता वाले पशु भी उपलब्ध करवाए जाएंगे।

प्रशासनिक ढांचा और नए पदों का सृजन को मंजूरी

इस महत्वाकांक्षी परियोजना को सुचारू रूप से चलाने के लिए राज्य सरकार के वित्त विभाग ने प्रशासनिक मंजूरी दे दी है। इसके तहत पशुपालन विभाग के लिए कुल 15 पदों का सृजन किया गया है, जिनमें 07 स्थायी पद शामिल हैं। वहीं, 8 पद संविदाकर्मियों के लिए सृजित किए गए हैं।

इको-फ्रेंडली-ग्रीन टेक्नोलॉजी से लैस होगा सेंटर

आधुनिकता के साथ-साथ इस सेंटर को पूरी तरह पर्यावरण के अनुकूल बनाया जा रहा है।

इस फार्म की दो सबसे बड़ी तकनीकी खास बातें होंगी। पहला, पूरे परिसर की बिजली और ऊर्जा जरूरतों के लिए सौर ऊर्जा जैसे पर्यावरण-अनुकूल स्त्रोतों का बेहतरीन उपयोग किया जाएगा।

साथ ही पानी की हर बूंद को सहेजने के लिए उन्नत वर्षा जल संचयन प्रणाली विकसित की जाएगी, जिससे भूजल स्तर सुधरेगा और फार्म आत्मनिर्भर बनेगा। वहीं, इस सेंटर का पर्यटन की दृष्टि से भी विकसित किया जा रहा है।

इस शिलान्यास समारोह के दौरान सरस डेयरी, पाली के अध्यक्ष प्रताप सिंह बिठिया, भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष करण सिंह नेतरा, सुमेरपुर एसडीएम कालूराम कुम्हार, विकास अधिकारी शैलेंद्र जोशी, निम्बेश्वर महादेव ट्रस्ट, साण्डेराव के अध्यक्ष जगत सिंह राणावत, साण्डेराव की प्रशासक दाकू देवी, साण्डेराव मण्डल के अध्यक्ष जोराराम देवासी, समाजसेवी गणपत सिंह देवतरा सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि, पशुपालन विभाग के वरिष्ठ अधिकारी और बड़ी संख्या में क्षेत्र के प्रगतिशील पशुपालक व ठामीण मौजूद रहे।

बासनी स्टेशन पर कोच गाइडेंस सिस्टम शुरू

जोधपुर, (कासं)। उत्तर पश्चिम रेलवे के जोधपुर मंडल के बासनी रेलवे स्टेशन पर यात्रियों की सुविधा के लिए अत्याधुनिक कोच मार्गदर्शन प्रणाली शुरू कर दी गई है।

जोधपुर मंडल के वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक हितेश यादव ने बताया कि बासनी स्टेशन के प्लेटफॉर्म संख्या 1 एवं 2 पर 24-24 कोच मार्गदर्शन डिस्प्ले बोर्ड स्थापित किए गए हैं। इसके अलावा दोनों प्लेटफॉर्म पर एक-एक सिंगल लाइन डिस्प्ले बोर्ड,प्लेटफॉर्म संख्या 1 पर एक एट ए ग्लांस डिस्प्ले बोर्ड तथा फुट ओवर ब्रिज पर दो डिस्प्ले बोर्ड लगाए गए हैं।

उन्होंने बताया कि बासनी रेलवे स्टेशन पर कोच मार्गदर्शन प्रणाली का संचालन वाणिज्य विभाग द्वारा किया जाएगा,जबकि इसके रखरखाव की जिम्मेदारी सिग्नल एवं दूरसंचार (एसएंडटी) विभाग के पास रहेगी। संचालन के दौरान किसी भी प्रकार की तकनीकी खराबी आने पर वाणिज्य विभाग संबंधित एसएंडटी अधिकारियों को सूचना देकर त्वरित निस्तारण सुनिश्चित करेगा। उन्होंने बताया कि कुछ अन्य स्टेशनों पर भी इस तरह की आधुनिक व्यवस्था प्रारंभ करने का प्रस्ताव है। नई व्यवस्था से यात्रियों को ट्रेन के स्टेशन पर पहुंचने से पहले ही अपने कोच की सही स्थिति की जानकारी मिल सकेगी। इससे प्लेटफॉर्म पर अनावश्यक भीड़ कम होगी,यात्रियों को अपने कोच तक पहुंचने में आसानी होगी। चढने-उतरने की प्रक्रिया अधिक व्यवस्थित,सुरक्षित और सुगम बनेगी।

जैसलमेर जेल का डीआईजी कारागार ने निरीक्षण किया

जैसलमेर, (नि.सं.)। उपमहानिरीक्षक कारागार रेंज जोधपुर राकेश मोहन शर्मा ने रविवार को जिला जेल जैसलमेर का औचक निरीक्षण कर जेल की सुरक्षा एवं प्रशासनिक व्यवस्थाओं का गहन जायजा लिया।

निरीक्षण के दौरान उन्होंने जेल की सुरक्षा व्यवस्था, सुरक्षा ऑडिट, बंदियों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं, भोजन, स्वच्छता, चिकित्सा सेवाओं, मुलाकात व्यवस्था, प्रहरी लाइन तथा ओपन एयर कैम्प सहित विभिन्न व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया।

कारागृह उपाधीक्षक मुरली मनोहर सुथार ने उपमहानिरीक्षक को जेल में संचालित विभिन्न व्यवस्थाओं एवं गतिविधियों की विस्तार से जानकारी दी। उपमहानिरीक्षक शर्मा ने निरीक्षण के दौरान व्यवस्थाओं का बारीकी से अवलोकन करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

बंदियों से संवाद, समस्याओं के समाधान के निर्देश

उपमहानिरीक्षक शर्मा ने बंदियों से संवाद कर उनके रहन-सहन, भोजन, चिकित्सा, मुलाकात सहित उपलब्ध सुविधाओं के बारे में जानकारी ली। उन्होंने बंदियों की समस्याएं भी सुनीं तथा संबंधित अधिकारियों को समस्याओं का नियमानुसार एवं समयबद्ध समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि जेल प्रशासन का दायित्व केवल सुरक्षा व्यवस्था तक सीमित नहीं है, बल्कि बंदियों में सकारात्मक सोच विकसित कर उन्हें समाज की मुख्यधारा में पुनर्स्थापित करने की दिशा में भी निरंतर कार्य किया जाना चाहिए।

'सुरक्षा व्यवस्था लापरवाही नहीं हो'

उपमहानिरीक्षक शर्मा ने जेल एवं आरएसी स्टाफ से संवाद करते हुए सुरक्षा व्यवस्था को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जेल की आंतरिक एवं बाहरी सुरक्षा में किसी भी स्तर पर लापरवाही नहीं होनी चाहिए तथा निर्धारित नियमों एवं सुरक्षा प्रोटोकॉल की पूरी तरह पालना सुनिश्चित की जाए। उन्होंने सुरक्षा ऑडिट में सामने आने वाले बिंदुओं पर गंभीरता से कार्य करने के भी निर्देश दिए।

सुधारात्मक गतिविधियों व खेलों को बढ़ावा पर जोर

उपमहानिरीक्षक ने बंदियों के सुधार एवं पुनर्वास के लिए संचालित सुधारात्मक गतिविधियों को और प्रभावी बनाने पर जोर दिया।

उन्होंने बंदियों को सकारात्मक एवं रचनात्मक गतिविधियों से जोड़ने के लिए इनडोर गेम्स सहित अन्य गतिविधियों को बढ़ावा देने के निर्देश दिए, ताकि उनमें अनुशासन, आत्मविश्वास एवं सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित हो सके।

उन्होंने जरूरतमंद बंदियों को नि:शुल्क विधिक सहायता उपलब्ध कराने, जेल में एसटीडी सुविधा एवं कैंटीन व्यवस्था के विस्तार तथा बंदियों को आवश्यक सुविधाएं नियमानुसार उपलब्ध कराने के संबंध में भी आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

जेल की व्यवस्थाएं संतोषजनक मिली

औचक निरीक्षण के दौरान जिला जेल जैसलमेर की समस्त व्यवस्थाएं संतोषजनक पाई गईं। उपमहानिरीक्षक ने जेल प्रशासन द्वारा सुरक्षा, स्वच्छता, भोजन, चिकित्सा एवं बंदी कल्याण से संबंधित व्यवस्थाओं के लिए किए जा रहे प्रयासों की समीक्षा करते हुए व्यवस्थाओं को निरंतर बेहतर बनाए रखने के निर्देश दिए।

उन्होंने अधिकारियों एवं कार्मिकों से टीम भावना के साथ कार्य करते हुए जेल की सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने तथा बंदियों के सुधार एवं पुनर्वास की दिशा में संवेदनशीलता के साथ कार्य करने का आहवान किया।

सिलावट समाज कब्रिस्तान में पौधारोपण किया

जालोर के ईदगाह स्थित सिलावट समाज कब्रिस्तान में पौधारोपण किया। फोटो-राष्ट्रदूत

जालोर, (कासं)। जालोर शहर के ईदगाह स्थित सिलावट समाज कब्रिस्तान में रविवार को सिलावट समाज के लोगो ने पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।

कार्यक्रम संयोजक एवं मुस्लिम सिलावट वेलफेयर संस्थान के जिलाध्यक्ष शहजाद खान ने बताया कि ईदगाह सिलावट समाज कब्रिस्तान में समाज के लोगों द्वारा साफ सफाई कर पौधारोपण कर प्रकृति के महत्व एवं पर्यावरण का संदेश दिया।

ग्लोबल वार्मिग को देखते हुए सभी को अपने आस पास अधिक से अधिक पौधा रोपण करना चाहिए और प्रकृति के प्रति सदैव कर्तव्य होकर उसकी रक्षा करनी चाहिए। इस अवसर पर सभी लोगों को पौधारोपण में बढकर का हिस्सा लेना चाहिए।

सिलावट समाज कब्रिस्तान में विभिन्न प्रजाति के 20 पौधे लगाए गए और उनका नियमित रूप से पानी देने का सभी ने संकल्प लिया गया।

इसके अलावा कब्रिस्तान के गार्डन मे साफ सफाई कर समाज बंधुओं ने श्रमदान किया गया। इस अवसर पर समाज विकास पर भी चर्चा की गई

इस अवसर पूर्व पार्षद अयूब शेख, साकिर अली , रहमान खान, मुश्ताक खान, सिराजुद्दीन खान, सलीम जावेद एडवोकेट, इंसाफ अली , राजू शेख, असलम शेख, ईमरान खान, हिदायत खान, जलाल खान, इरफान खान, अनवर खान,अरमान खान, कासम खान,एजाज अली, नोहसिन खान, रूहान शेख, असलान आदि मौजूद थे।

पोकरण सिंचाई योजना व पर्यटन विकास की मांग

पोकरण, (निसं)। जैसलमेर जिला जन अभियोग निराकरण एवं सतर्कता समिति में सदस्य मनोनीत किए जाने के बाद पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष व अधिवक्ता जुगल किशोर व्यास ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से मुख्यमंत्री निवास पर मुलाकात की। इस दौरान मुख्यमंत्री ने जिला कलेक्टर के साथ समिति की बैठक एवं जन समस्याओं के निराकरण को लेकर हुए अनुभवों की जानकारी ली।

अधिवक्ता व्यास ने मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि जन अभियोग निराकरण एवं सतर्कता समिति के माध्यम से आमजन की समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए उनके नियमानुसार एवं शीघ्र निराकरण के लिए भरपूर प्रयास किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि समिति के माध्यम से ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र के लोगों की समस्याओं को प्रशासन के समक्ष प्रभावी रूप से रखकर समाधान करवाने का प्रयास रहेगा।

मुख्यमंत्री से मुलाकात के दौरान अधिवक्ता जुगल किशोर व्यास ने जय नारायण व्यास पोकरण लिफ्ट सिंचाई योजना के विस्तार की मांग रखी। उन्होंने क्षेत्र में सिंचाई सुविधाओं के विस्तार को किसानों के हित में महत्वपूर्ण बताते हुए योजना का लाभ अधिक क्षेत्र तक पहुंचाने की मांग की। व्यास ने पोकरण में पर्यटन विकास को लेकर भी मुख्यमंत्री को ज्ञापन सौंपा।

एथलेटिक्स संघ जालोर के कन्हैयालाल अध्यक्ष बने

जिला एथलेटिक्स संघ जालोर के निर्विरोध चुनाव में कन्हैयालाल मिश्रा को अध्यक्ष व शिवदत्त आर्य को सचिव चुना। फोटो-राष्ट्रदूत

जालोर, (कासं)। जिला एथलेटिक्स संघ जालोर के रविवार को निर्विरोध चुनाव संपन्न हुए।

चुनाव में कन्हैयालाल मिश्रा को अध्यक्ष व शिवदत्त आर्य को सचिव चुना गया।रविवार सुबह 11 बजे चुनाव अधिकारी ओम प्रकाश खंडेलवाल के निर्देशन में आर्य वीर दल वीरम व्यायामशाला में विधिवत चुनाव प्रक्रिया संपन्न हुई।चुनाव प्रक्रिया के दौरान जिला क्रीडा परिषद से पर्यवेक्षक के रूप में जिला खेल अधिकारी के प्रतिनिधि बॉक्सिंग कोच पुष्पेन्द्र परमार,राजस्थान एथलेटिक्स संघ से पर्यवेक्षक के रूप में हरदेव आर्य व रजिस्ट्रार ऑफिस से नियुक्त जिला एथलेटिक्स संघ जालोर कि तदर्थ समिति के संयोजक विनोद आर्य मौजूद थे। जिला एथलेटिक्स संघ जालोर के चुनाव अधिकारी ओम प्रकाश खंडेलवाल ने बताया कि जिला एथलेटिक्स संघ जालोर की आगामी चार वर्षीय नवीन कार्यकारिणी में उपाध्यक्ष प्रशांत सिंह,विनोद कुमार, संयुक्त सचिव अंबिका प्रसाद तिवारी, अक्षय पाल सिंह,कोषाध्यक्ष भरत कुमार,व कार्यकारिणी सदस्य के रूप में वरुण कुमार, कांतिलाल,जितेंद्र खत्री, शुभम आर्य चुने गए। चुनाव प्रक्रिया के दौरान उपस्थित आर्य वीर दल जालोर के संरक्षक दलपत सिंह आर्य ने कहा कि जिला एथलेटिक्स संघ जालोर ने लगातार खेल के क्षेत्र में अच्छा कार्य किया है।उन्होंने नवीन कार्यकारिणी को बधाई देते हुए संगठन की ओर से हर संभव सहयोग का भरोसा दिया।जिला तीरंदाजी संघ के अध्यक्ष कृष्ण कुमार तिवारी ने कहा कि एथलेटिक्स आज भारत में तेजी से बढता हुआ खेल है।उन्होंने कहा कि नवीन कार्यकारिणी जिले में एथलेटिक्स खेल को और भी बेहतर बनाने का कार्य करेगी। जिला एथलेटिक्स संघ जालोर के नवनिर्वाचित सचिव शिवदत्त आर्य ने उपस्थित सभी अतिथियों का आभार प्रकट किया।संपूर्ण चुनाव कार्यक्रम में व्यवस्था बनाए रखने का कार्य भावेश कुमार व अनीता कुमारी ने किया।

दिव्यांग नवल किशोर के नेतृत्व में तिरंगा यात्रा

जोधपुर, (कासं)। घर-घर लहराए तिरंगा हमारा अभियान के अंतर्गत रविवार को भूतनाथ महादेव मंदिर प्रांगण से जबरनाथ गौशाला तक भव्य तिरंगा यात्रा निकाली गई। हाथों में तिरंगा लेकर निकले राष्ट्रप्रेमियों ने पूरे मार्ग को देशभक्ति के रंग में रंग दिया।

तिरंगा यात्रा से पूर्व जोधपुर की पूर्व विधायक स्वर्गीय श्रीमती सूर्यकांता व्यास को पुष्प अर्पित कर भावभीनी श्रद्धांजलि दी गई। श्रीमती व्यास का इस तिरंगा यात्रा से पुराना और भावनात्मक जुड़ाव रहा है।अपने जीवनकाल में वे प्रत्येक राष्ट्रीय उत्सव के अवसर पर दिव्यांग नवल किशोर जोशी के साथ तिरंगा यात्रा की अगवानी किया करती थीं। इस बार उनकी अनुपस्थिति में यात्रा में शामिल लोगों ने उन्हें श्रद्धापूर्वक याद किया और उनके राष्ट्रप्रेम एवं सामाजिक सरोकारों को नमन किया।

मारवाड़ सोशल मीडिया सहयोग संस्थान के प्रवक्ता कन्हैयालाल पुरोहित ने बताया कि भूतनाथ महादेव मंदिर परिसर में भारत माता के जयघोष और वंदे मातरम् के नारों से वातावरण राष्ट्रभक्ति से ओत-प्रोत हो गया। तिरंगा हाथों में लेकर जब यात्रा आगे बढ़ी तो पूरा मार्ग देशभक्ति के नारों से गूंज उठा।

तिरंगा यात्रा के बाद भूतनाथ महादेव मंदिर के 91 वर्षीय वरिष्ठ सदस्य श्री गोविंद जी बोहरा ने राष्ट्रध्वज का आरोहण किया। इस अवसर पर नरेंद्र सिंह, बंशीधर जोशी, गार्ड साहब, राजकुमार वर्मा, आनंद सी. पुरोहित, रामजी व्यास, चंद्रकला, भीम सिंह राजपुरोहित सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

बाड़मेर में हर घर तिरंगा अभियान शुरू

बाड़मेर,(नि.सं.)। बाड़मेर जिले में रविवार को तिरंगा प्रभात फेरी के साथ हर घर तिरंगा अभियान की शुरूआत हुई। इस दौरान बाड़मेर जिला मुख्यालय से ग्राम पंचायत स्तर तक तिरंगा प्रभात फेरी निकाली गई। इसमें जन प्रतिनिधि, प्रशासनिक अधिकारी एवं कार्मिकों के साथ आमजन उत्साह से शामिल हुए।

बाड़मेर जिला मुख्यालय पर जिला स्तरीय हर घर तिरंगा अभियान के तहत जिला परिषद कार्यालय से तिरंगा प्रभात फेरी निकाली गई। इसमें तिरंगे के साथ कार्मिकों ने देशभक्ति का संदेश दिया। इसी तरह उपखंड, पंचायत समिति मुख्यालय एवं ग्राम पंचायत स्तर पर तिरंगा प्रभात फेरियों का आयोजन किया गया। इस दौरान जन प्रतिनिधियों, अधिकारियों, कार्मिकों एवं प्रतिभागियों को राष्ट्रध्वज के सम्मान एवं देश की एकता-अखंडता के प्रति प्रतिबद्धता की शपथ दिलाई।

प्रभात फेरी में गूंजे देशभक्ति के संदेश

प्रभात फेरी में जन प्रतिनिधियों, कार्मिकों के साथ आमजन ने उत्साह पूर्वक सहभागिता निभाई। प्रतिभागी हाथों में तिरंगा लेकर देशभक्ति के भाव से ओतप्रोत प्रभात फेरी में शामिल हुए। प्रभात फेरी के माध्यम से आमजन को हर घर तिरंगा अभियान से जुड़ने तथा राष्ट्रध्वज के प्रति सम्मान की भावना को मजबूत करने का संदेश दिया गया। इधर, जिला कलक्टर चिन्मयी गोपाल ने आमजन से हर घर तिरंगा अभियान में उत्साहपूर्वक सहभागिता निभाने तथा अपने घरों, वाहनों एवं व्यवसायिक प्रतिष्ठानों पर तिरंगा फहराकर अभियान को सफल बनाने की अपील की है।

पंचायत समिति फागलिया में रविवार को हर घर तिरंगा अभियान के तहत प्रभात फेरी का आयोजन किया गया। इस प्रभात फेरी का उद्देश्य देशभक्ति की भावना को बढ़ावा देना और आमजन को अपने घरों पर तिरंगा फहराने के लिए प्रेरित करना था। प्रभात फेरी में विकास अधिकारी अणदाराम, आरपी श्रेणीदान चारण, सरपंच प्रतिनिधि पुरसिंह चौहान, मंगलाराम गोसाई, जालमसिंह अध्यापक भोपाल सिंह, मोहनलाल विश्नोई, वीरसिंह, छैलसिंह सहित पंचायत समिति के अधिकारी, कार्मिक, शिक्षक, विद्यार्थी एवं सैकड़ों ठामीणों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इन्होंने हाथों में तिरंगा लेकर देश भक्ति के नारे लगाते हुए पूरे कस्बे में भ्रमण किया। उन्होंने तिरंगे के प्रति सम्मान और राष्ट्रीय एकता का संदेश दिया। कार्यक्रम के अंत में विकास अधिकारी ने प्रतिभागियों का आभार जताते हुए 15 अगस्त तक प्रत्येक घर में तिरंगा लगाने की अपील की।

बाड़मेर जिला परिषद सहित उपखंड, पंचायत समिति मुख्यालय एवं ग्राम पंचायत स्तर पर तिरंगा प्रभात फेरियों का आयोजन किया। फोटो-राष्ट्रदूत

सहभागिता व समन्वय से लोगों को जोड़ने के प्रयास

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर हर घर तिरंगा अभियान के तहत बाड़मेर जिले में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। राज्य सरकार के निर्देशानुसार 17 अगस्त तक चलने वाले इस अभियान में विभिन्न विभागों की सहभागिता एवं समन्वय से आमजन को अभियान से जोड़ने के प्रयास किए जा रहे हैं। कलैक्टर चिन्मयी गोपाल ने बताया कि सोमवार को राष्ट्रीय ध्वज तिरंगे के साथ जनसमुदाय, विद्यार्थियों एवं सभी वर्गों की सहभागिता से तिरंगा रैली,यात्रा का आयोजन किया जाएगा। इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। जिला प्रशासन ने जिलेवासियों, विद्यार्थियों, जनप्रतिनिधियों, सामाजिक संगठनों एवं सभी वर्गों से तिरंगा रैली में अधिकाधिक संख्या में शामिल होकर हर घर तिरंगा अभियान को सफल बनाने का आहवान किया है।

जोधपुर में बह रही है प्रवचनों की सरिता

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर में चातुर्मास के अन्तर्गत प्रवचनों की सरिता बहन रही है।

खेरादियों का बास स्थित श्री राजेन्द्र भवन में विराजित साध्वी रत्नरेखा, अनुपदृष्टा श्री एवं कल्पदर्शिता श्रीजी म.सा. ने चातुर्मास प्रवचन में कहा कि युवा पीढ़ी को धर्म से जोड़ना हमारी जिम्मेदारी है। आज का युवा धर्म से दूर हो रहा है, लेकिन हमें यह समझना होगा कि वह धर्म से दूर क्यों हो रहा है।

उन्होंने कहा कि आज का युवा नई सोच रखता है और हर बात को समझना चाहता है। इसलिए उसे केवल यह कहना कि ऐसा ही करना है, पर्याप्त नहीं है। उसे यह भी समझना होगा कि ऐसा क्यों करना है और इससे उनके जीवन को क्या मिलेगा।

साध्वी श्रीजी ने कहा कि धर्म को केवल मंदिर और पूजा तक सीमित नहीं रख कर क्रोध पर नियंत्रण, माता-पिता का सम्मान, दूसरों के प्रति प्रेम, ईमानदारी और संयम भी धर्म है।

दूसरी तरफ जैन श्वेतांबर मूर्तिपूजक खरतरगच्छ श्री संघ के तत्वावधान में आयोजित आत्मजागृति चातुर्मास पर्व के अंतर्गत रविवार को विशेष प्रवचन का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जिनशिशुप्रज्ञा श्रीजी ने श्रद्धालुओं को संबोधित किया। अपने दैनिक प्रवचन के दौरान रत्नाकर पच्चीसी के माध्यम से अपनी आत्मा को निष्पाप कैसे बनाएं विषय पर प्रवचन प्रस्तुत दिया।

जिनशिशुप्रज्ञा श्रीजी ने परमात्मा की महिमा पर प्रकाश डालते हुए कहा

■ जोधपुर में चातुर्मास के अन्तर्गत प्रवचनों का दौर जारी

कि परमात्मा चिंतामणि रत्न, कल्पवृक्ष एवं कामधेनु के समान हैं। इस पंचम काल में ज्ञान योग, क्रिया योग और भक्ति योग में से भक्ति योग ही सबसे श्रेष्ठ है। परमात्मा की भक्ति ही मुक्ति का सबसे सहज और सुगम मार्ग है, जिसके द्वारा व्यक्ति अध्यात्म में प्रवेश करता है और स्वयं के वास्तविक स्वरूप को समझ पाता है।

गांधी मैदान, सरदारपुरा में चल रही 53 दिवसीय चातुर्मास प्रवचनमाला के अंतर्गत रविवार को आध्यात्मिकता के साथ मानव सेवा और सामाजिक सरोकारों का प्रेरणादायी संगम देखने को मिला। संबोधि धाम ट्रस्ट मंडल की ओर से आयोजित कार्यक्रम में जोधपुर की 19 मानव सेवा भावी संस्थाओं को उनके उल्लेखनीय सेवा कार्यों के लिए अभिनंदन पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। साथ ही संबोधि धाम की ओर से इन संस्थाओं को विशेष सहयोग राशि भी प्रदान की गई।

इस अवसर पर राष्ट्रसंत चंद्रप्रभ महाराज ने कहा कि समाज में सेवा की भावना जितनी मजबूत होगी, उतना ही समाज संवेदनशील, संस्कारी और मजबूत बनेगा। जरूरतमंदों की सहायता, शिक्षा, स्वास्थ्य, भोजन, पर्यावरण और सामाजिक उत्थान के क्षेत्र में काम करने वाली संस्थाएं समाज के लिए प्रेरणास्त्रोत हैं।